मेडम, इस प्रकार की चीजें जयपुर और जामनगर में भी बनाई जाती हैं, लेकिन फिर भी जो इस प्रकार की चीज बनाई जाती है, वह जोधपुर में ही बनाई जाती है। बाहर से कच्चा माल मंगा कर यहां बनाई जाती है। इसलिये मैं आपके माध्यम से राजस्थान सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं क्योंकि वहां का लघु उद्योग निगम जो इसको प्रोत्साहन दे रहा है, वह इने-गिने कुछ लोगों को ही पैसा देकर करता है। इससे कुछ लोगों को ही फायदा होता है। लिहाजा सभी इस काम में लगे लोगों को प्रोत्साहन देने की व्यवस्था की जानी चाहिये। धन्यवाद।

REFERENCE TO THE NEED TO SET UP A MINT AT SALEM, TAMIL NADU

SHRI THANGABAALU (Tamil Nadu): Thank you very much Madam Chairperson. In the Supplementary Demands for Grants presented by the Finance Minister, there is a provision for Rs. 66 crores for the import of coins from abroad. This is an unfortunate practice. Madam. There is no high technology involved in minting coins within India and I am told that the special alloy steel produced by the Salem Steel Plant is very much suitable for minting these coins. An Expert Committee was set up and that Committee has cleared this Salem steel which is the essential main base fod minting coins. Also there was a proposal to set up a mint at Hyderabad. That proposal was turned down. Moreover, there is no mint in the South. Now the Salem Steel Plant is coming up in a small way...

SHRI JAGESH DESAI (Maharashtra): No, they have got enough capacity.

SHRI THANGABAALU: Yes, I am telling you that the special alloy of Salem plant is very much acclaimed by one and all and there is a great future for this steel. There has been a request from my side to set up a mint at Salem to hon'ble Finance Minister so that they can use the special alloy produced by the Salem Steel Plant, thereby we can save a lot of foreign exchages instead of spending it on taking coins from other countries. This is a sensitive area—of minting and distributing coins and getting coins from abroad—and there we can avoid a lot of leakage and other malpractices also by setting up a mint at Salem which is in Tamil Nadu, and show our self-reliance. This is an important factor and there is a great necessity for it today.

Another factor to be considered is that we can give employment in a backward area. Salem is a backward area and there is no big industry there. So I request the hon. Finance Minister to set up a mint at Salem in Tamil Nadu without any further delay, to use the special alloy which is produced by our own steel plant, so that we to provide employment for a good number of unemployed youth in the State of Tamil Nadu and also save a lot of foreign exchange. Thank you, Madam.

REFERENCE TO THE REPORTED THREAT OF TERRORISTS ACTIVITIES IN THE COUNTRY

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश) : आदरणीय उपसभापति महोदया, मैं आपका ध्यान 24 नवम्बर, 1986 के अखबार "इंडियन एक्सप्रेस" में छपी एक खबर की ओर दिलाना चाहती हूं। इस खबर के अनुसार इस हफ्ते तीन प्रमुख विमान सेवाओं पर आतंकवादी हमले की आशंका व्यक्त की गयी है। ये सेवायें हैं—पान ऐम, ब्रिटिश एअरवेज और एअर इंडिया।

उपाध्यक्ष महोदया, मैं नहीं जानती कि इस खबर में कितनी सच्चाई है। पर इस तरह की खबरें फैलाने में आतंकवादियों की पैंतरेबाजी जरूर समझ आती है। गौर किया जाय तो आतंकवादी अपनी गतिविधियां को सक्रिया करने के लिए दो तरह की पैंतरेबाजी अख्तियार कर रहे हैं। एक तो आतंक खुले रूप में दिन-दहाड़े निरीह लोगों की हथियारों से हत्या करके अपना आतंक दिखा रहे हैं और दूसरी

[श्रीमती वीणा वर्मा]

ओर, एक और तरह का आतंक है, जिसे हम मनोवैज्ञानिक आतंकवाद कह सकते हैं। पहले आतंक में गोली बंदूक या पिस्तौल से निकल कर शरीर पर लगती है और एक जीव की हत्या होती है और दूसरी तरह के आतंकवाद में पिस्तौल से गोली नहीं निकलती, पर गोली लगने या बम फटने के भय से ही हमारे दिल और दिमाग घायल हो जाते हैं, बिना गोली के हमारी मानसिकता की मौत होती है। कहना चाहिये यह मनोवैज्ञानिक आतंकवाद प्रत्यक्ष आतंकवाद से कहीं ज्यादा भयानक साबित हो रहा है, जहां न बंदूक है और न बुलेट है बल्कि जनता के मन में क्रूर आततायियों की हिंसा की एक खौफनाक परछाई मन में कांप रही है। सड़क हालांकि निरापद है, लेकिन लोग बाहर निकलने से डरते हैं। शाम होते ही घरों के किवाड़ बंद हो जाते हैं। यह सब इसलिये हैं क्योंकि आतंक कहीं लोगों के मन के अन्दर अट्टहास कर रहा है और लोग भय से, दहशत से भरे हैं। यह आकस्मिक नहीं है कि आतंकवादियों के नाम पर आजकल समाज के विशिष्ट लोगों को जान से मार डालने की धमकी भरी चिट्ठियां लोगों के मन में बम के समान फट रही हैं। अभी पिछले दिनों राजघाट पर माननीय प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी जी के साथ हुई हत्या करने की साजिश के पीछे आतंकवादियों की इसी पैंतरेबाजी का परिचय मिलता है कि वे देश की सर्वोच्च शक्तियों पर हमला करके आवाम के मन पर एक खास तौर की हिंसा, आतंक का माहौल पैदा करना चाहते हैं ताकि लोग आतंकवादियों का मुकाबला करने की बजाय डरें, सहमे रहें। मैं इसलिये कहना चाहती हूं कि आज आतंकवादियों से जिस तरह निबटना जरूरी है, उससे भी पहले हमें अपने भीतर के आतंकित नायक को भयमुक्त करना है।

इस प्रसंग में मैं आपका ध्यान महाकवि निराला जी की कविता "राम की शक्ति पूजा" की तरफ ले जाना चाहूंगी कि उस लम्बी कविता में जिस तरह रावण जैसे दुर्धष को पराजित करने के लिये जैसे राम ने आत्म-शक्ति को प्राप्त करने के लिये आराधना की थी और अन्त में उन्हें वह शक्ति मिली, जिससे वे रावण की महासेना को पराजित कर सके। आज के परिप्रेक्ष्य में रावण आतंकवा के रूप में फिर सामने खड़ा है और इस रावण को कुचलने और धाराशायी करने के लिये जरूरी हो गया है कि हम सब एक जुट होकर इसका मुकाबला करें। मेरी दृष्टि में आज आतंकवाद का मुकाबला करने के लिये यह जरूरी हो गया है कि आतंकवादियों की पैंतरेबाजी और उनके भीतर-घात को समझा जाय। बिना इसे समझे हम इन मनुष्यता-विरोधियों से नहीं निबट सकते।

महोदया, आतंकवादी जनता में झूठी अफवाहें फैलाने की हर सम्भव कोशिश करते हैं। फोन द्वारा किसी जगह बम रखे होने की सूचना देना आदि समाज में अव्यवस्था और अराजकता फैलाने की दिशा में चालें हैं। इस तरह के मानसिक व मनोवैज्ञानिक आतंकवाद से निबटने के लिये सिर्फ सेना की टुकड़ी, पुलिस गश्त, केन्द्र सरकार और पंजाब की मौजूदा सरकार ही काफी नहीं है। इसके लिये जरूरी है पूरे देश में आतंकवाद का सफाया करने के लिये एक ऐसा माहौल बने ताकि लोगों के भीतर से आतंकवादियों का आतंक और भय समाप्त हो। जब तक इस मनोवैज्ञानिक भय से हम मुक्ति नहीं पा लेते, तब तक इन मुट्ठी भर आतंकवादियों से लड़ नहीं सकते, लड़ने के लिये तन कर खड़ा होना जरूरी होता है। इसके लिये देश की युवा शक्ति का आतंक विरोधी गतिविधियों को खतम करने के लिये एक संगठन के रूप में इस्तेमाल करना होगा। पंजाब की मौजूदा सरकार को आतंकवादियों पर निगरानी रखने के लिये गुप्तचर विभाग में ऐसे दस्ते बनाने होंगे, जो आतंकवादियों के गिरोहों में घुसकर इनकी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखें और उनकी साजिशों का पर्दाफाश कर उन्हें नाकाम करें। उपसभापति महोदया, मैं आप का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहूंगी कि इस तरह का मनोवैज्ञानिक आतंकवाद फैलाने वालों को बढ़ावा देने वाले खास तौर से इस

तरह की झूठी खबरें फैलाने वाले लोगों की इंक्वायरी करायी जाय और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाय और सरकार इस बारे में क्या कर रही है इस बारे में गौर किया जाय।

REFERENCE TO THE RADIATION THREAT AT RARE EARTHS UNIT NEAR NAGERCOIL

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Thank you, Madam, for having given me this opportunity to speak. I would like to draw the attention of the House on the matter of public importance about the radiation threat caused to the workers who are employed at Manavalan Kurichi area near Nagarcoil, which is in the Madras State wherein the Indian Rare Earths Unit is situated. It is a public sector undertaing employing more than 700 workers. It is producing the radio-active substance and also monazite. The raw material used for that purpose is the sand which is available in KanyaKumari area. This substance is being produced and sent to Alywaye in Kerala for the purpose of having enriched thorium. The substances used for the purpose of preparing thorium and uranium and simultaneousely it is taken to BARC atomic energy unit. In 1983 due to radiation effect three persons had died. In 1985, two persons have died due to cancer just as the side-effect of this radiation effect. Then in 1986 till date about six deaths have come on the Registers.

The Management tried to conceal it. It even tried to persuade the medical authorities to show that these were not due to radiation effect that the cancer has been caused to the workers, but it is due to some other effect. But the doctors have certified that it is only because of the radiation effect. This caused cancer and there by the persons have died.

The Factories' Act is very clear that the workers should be given protective cover and they should be kept away from the radiation effect, but all the fatcory laws have been flouted by the Management in spite of the directions issued by the BARC stating that this substance is to be stoved away from the working site. Secondly it is also mentioned specifically that mechanical device should be used for stitching it and the workers should not be allowed handswitching. It has been completely flouted because tht Alwaye unit has given them the directive that if it is stitched with machines, it will take more time to remove the package. They have also said that if they store it at alawye in Kerala then the workers working there will get themselves affected by the radiation effect. This particular substance has been storde near the canteen of the workers. Therefore I would like to draw the attention of the Minister for Public Undertakings and also the Minister of Labour to give due protection to the workers in these units and have them from the radiation threat.

REFERENCE TO THE LAWYERS THREAT TO BOYCOTT THE COURTS IN GUJARAT

श्री शंकर सिंह वाघेला (गुजरात) : डिप्टी चेयरमैन, मैं आप का माध्यम से देश के न्याय तन्त्र की ओर जो कि लोकतन्त्र का आधार स्तम्भ है, ध्यान दिलाना चाहता हूं और बताना चाहता हूं कि उसके प्रति जनता का अविश्वास बढ़ता जा रहा है। आपका, जनता का, सदन का और प्रधान मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं। यह लोकतन्त्र का सबसे बड़ा आधारभूत तन्त्र है और हमारी सरकार की नीति से और पार्टी की पालिसी से जो इसमें नियुक्तियां होती हैं उसमें दखलंदाजी होती है और इससे लोगों का भरोसा उसमें कम होता है। वे सोचते हैं कि क्या न्यायतन्त्र भी कमिटेड होगा और क्या उसमें कोई भी पार्टी नहीं बचेगी।

महोदया, सब राज्यों में यही हालत है। न्यायतन्त्र पर सबसे पहले आ-